

लघु बचत योजनाएँ

हाल ही में सरकार ने मुद्रासफीत के ऊँचे स्तर के कारण वर्ष 2022-23 की दूसरी तमिाही के लिये **राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (National Savings Certificate- NSC)** और **सार्वजनिक भवषिय नधि (Public Provident Fund- PPF)** सहति लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को अपरविरतति रखा है।

- लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दर में 2020-21 की **पहली तमिाही के बाद से कोई संशोधन** नहीं कयिा गया है
- **सरकारी बॉण्ड** पर प्रतफिल में वृद्धिको देखते हुए दर में वृद्धिकी उम्मीद की गई थी, जसिसे उनका रटिरन एक फारमूले के अनुसार जुड़ा हुआ है।

लघु बचत योजनाएँ/साधन:

- **परचिय:**
 - ये भारत में घरेलू बचत के प्रमुख स्रोत हैं और इसमें 12 उपकरण/प्रपत्र (Instrument) शामिल हैं।
 - इसमें **जमाकर्त्ताओं को उनके धन पर सुनश्चिति ब्याज** मलिता है।
 - सभी लघु बचत प्रपत्रों से संग्रहीत राशिको **राष्ट्रीय लघु बचत कोष (NSSF)** में जमा कयिा जाता है।
 - **कोवडि-19** महामारी के कारण **सरकारी घाटे** में वृद्धिकी वजह से उधार की उच्च आवश्यकता को पूरा करने के लिये छोटी बचतें सरकारी घाटे के वलितपोषण के प्रमुख स्रोत के रूप में उभरी हैं।
- **वर्गीकरण:** लघु बचत उपकरणों को तीन प्रमुख भागों के अंतर्गत वर्गीकृत कयिा जा सकता है:
 - डाक ज़मा (बचत खाता, आवर्ती जमा, अलग-अलग परपिक्वता की सावधि ज़मा और मासिक आय योजना शामिल है)।
 - **बचत प्रमाण पत्र:** राष्ट्रीय लघु बचत प्रमाणपत्र (NSC) और कसिान वकिस पत्र (KVP)।
 - **सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ:** **सुकन्या समृद्धियोजना**, सार्वजनिक भवषिय नधि (PPF) और वरषिट नागरिक बचत योजना (SCSS)।
- **दरों का नरिधारण:**
 - छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को तमिाही आधार पर नरिधारति कयिा जाता है जो कसिमान परपिक्वता वाले बेंचमार्क सरकारी बॉण्डों में संचलन के अनुरूप होते हैं। वलित मंत्रालय द्वारा समय-समय पर दरों की समीक्षा की जाती है।
 - लघु बचत योजना पर गठति श्यामला गोपीनाथ पैनल (वर्ष 2010) ने छोटी बचत योजनाओं के लिये बाज़ार से जुड़ी ब्याज दर प्रणाली का सुझाव दयिा था।

स्रोत: द हट्टि